रामचरितमानस में विज्ञान से सामाजिक उत्थान में डिप्लोमा

भौतिक विज्ञान से सामाजिक (1) समरसता एवं विकास

पाठ्यक्रम

इकाई – प्रथम : परमाणु संरचना, उपपरमाणुविक संरचनाएँ, परमाणुविक शक्ति, रामचरित मानस में अणु एवं परमाणु संकल्पना। समाज शास्त्र का मानव शास्त्र एवं भौतिक शास्त्र में सम्बन्ध और रामचरित मानस।

इकाई – द्वितीय : परमाणु मॉडल, रदरफोर्ड की परमाणु संकल्पना, स्टैन्डर्ड फिजिकल मॉडल, सर्न प्रयोग, मानस में ब्रह्म निरूपण। ब्रह्म निरूपण एवं सामाजिक विज्ञान में सम्बन्ध।

इकाई – तृतीय : अणु एवं परमाणु संकल्पना। अणुकक्षक सिद्धान्त (MOT), अणु एवं ब्रह्म, ब्रह्म कण, ब्रह्म निरूपण, रामचरित मानस में ब्रह्म, अणु एवं कण की संकल्पना, जीवित सत्तावाद।

इकाई – चतुर्थ : ऊष्मा कार्य एवं आधार, ऊष्मा ताप एवं शक्ति और ऊष्मा (सूर्य ऊर्जा) रामचरित मानस में सूर्य ऊर्जा, राडार तकनीकि एवं प्रसारण तंत्र। सामाजीकरण एवं प्रसार तंत्र का उपयोग। रामचरित मानस में सामाजिकता।

इकाई – पंचम : प्रकाश, सूर्य प्रकाश, किरण एवं किरणों का प्रभाव, मानस में प्रकीर्णन, विकिरण, अपवर्तनांक, गति कार्य एवं ऊर्जा। रामचरितमानस में विमान उड्डयन एवं युद्ध प्रहारक उपकरण।

प्रोजेक्ट कार्य : (कुल अंक 25) रामचरित मानस के किसी एक खण्ड में उल्लेखित प्रसंगों में भौतिक विज्ञान संदर्भों का विवरण प्रस्तुति।

Scanned by TapScanner

विषय सूची

इकाई-प्रथमः	अध्याय-1	परमाणु संरचना
	अध्याय-2	परमाणुविक शक्ति - सामान्य अवधारणा
	अध्याय-3	रामचरित मानस में अणु परमाणु की संकल्पना
	अध्याय-4	समाजशास्त्र का मानवशास्त्र से सम्बन्ध एवं रामचरित मानस
	अध्याय-5	समाजशास्त्र, भौतिक शास्त्र और श्रीरामचरितमानस
इकाई-द्वितीय	अध्याय-1	परमाणु मॉडल
	अध्याय-2	स्टेण्डर्ड फिजिकल मॉडल
	अध्याय-3	सर्न प्रयोग
	अध्याय-4	मानस में ब्रह्म निरूपण
	अध्याय-5	ब्रह्मनिरूपण एवं सामाजिक विज्ञान में सम्बन्ध
इकाई-तृतीय	अध्याय-1	अणु एवं परमाणु संकल्पना
	अध्याय-2	अणुकक्षक सिद्धान्त
	अध्याय-3	अणु एवं ब्रह्म, ब्रह्मकण, ब्रह्मनिरूपण
	अध्याय-4	रामचरितमानस में ब्रह्म, अणु एवं कण की संकल्पना
	अध्याय-5	जीवित सत्तावाद
इकाई-चतुर्थ	अध्याय-1	ऊर्जा, ऊष्मा कार्य एवं आधार
	अध्याय-2	सौर ऊष्मा, सूर्य ऊर्जा
	अध्याय-3	राडार तकनीकि एवं प्रसारण तंत्र
	अध्याय-4	सामाजीकरण एवं प्रसारण तंत्र के उपयोग
	अध्याय-5	रामचरित मानस में सामाजिकता
इकाई-पंचम	अध्याय-1	प्रकाश, सूर्य प्रकाश, किरणें एवं किरणों का प्रभाव
	अध्याय-2	मानस में प्रकीर्णन, विकिरण एवं अपवर्तनांक
	अध्याय-3	गति, कार्य, ऊर्जा और शक्ति
	अध्याय-4	रामचरित मानस में विमान उड्डयन
	अध्याय-5	रामचरित मानस में युद्ध प्रहारक उपकरण

Scanned by TapScanner

रसायन विज्ञान से वैश्विक बंधुत्व एवं सामाजिक प्रगति (2)

पाठ्यक्रम

इकाई – प्रथम : ब्रह्म एवं कार्बन, मानव संरचना में कार्बन का प्रभाव। ब्रह्मा विष्णु महेश की संकल्पना में कार्बन। कार्बन की रासायनिक क्रियायें सामाजिक प्ररिप्रेक्ष्य में मानव शृखंला एवं कार्बन शृंखला।

इकाई – द्वितीय : भौतिक एवं रासायनिक अभिक्रियायें; रासायनिक परिवर्तन, रासायनिक क्रियाओं से सृजन एवं विकास। रामचरितमानस में वर्णित जल, हवा एवं अग्नि की क्रियाओं का रासायनिक विश्लेषण एवं समाज में उपादेयता।

इकाई – तृतीय : पंचतत्व, निराकार, साकार पंचतत्व एवं रासायनिक संकल्पना। पंचतत्व एवं मानव जीवन की संरचना एवं सामाजिकता।

इकाई – चतुर्थ : रसायनों द्वारा खाद्य संरक्षण मानव उपयोगी तेल और नमक का रासायनिक विश्लेषण एवं उपादेयता। रामचरितमानस में प्रयुक्त प्रसंगों में तेल, शक्कर; नमक का रासायनिक विश्लेषण रामेश्वरम सेतु में प्रयुक्त रसायन।

इकाई – पंचम : समाज उपयोगी जीवन रक्षक औषधीय एवं औषधीय पौधे, अर्थ, परिभाषा प्रकार एवं अनुप्रयोग। मानस में वर्णित प्रमुख औषधियाँ, मानस में प्रयुक्त अग्निरोधक रसायन अर्थ परिभाषा एवं प्रकार।

प्रोजेक्ट कार्य : रामचरितमानस के किसी एक खण्ड में उल्लेखित प्रसंगों में रसायन–विज्ञान संदर्भों का विवरण प्रस्तुति।

Scanned by TapScanner

विषय सूची

			पृष्ठ
इकाई-प्रथमः	अध्याय-1	ब्रम्ह एवं कार्बन	
	अध्याय-2	मानव श्रृखंला में कार्बन का प्रभाव	
	अध्याय-3	ब्रह्मा, विष्णु, महेश की संकल्पना में कार्बन	
	अध्याय-4	कार्बन की रासायनिक क्रियायें	
	अध्याय-5	सामाजिक प्ररिप्रेक्ष्य में मानव श्रृखंला एवं कार्बन श्रृखंला	
इकाई-द्वितीयः	अध्याय-1	भौतिक और रासायनिक अभिक्रियायें एवं रासायनिक परिवर्तन	
	अध्याय-2	रासायनिक क्रियाओं से रासायनिक परिवर्तन, सृजन एवं विकास	
	अध्याय-3	रासायनिक रामचरितमानस में जल एवं हवा का स्वरूप	
	अध्याय-4	रामचरितमानस में अग्नि का स्वरुप	
इकाई-तृतीयः	अध्याय-1	पंचतत्व : निराकार ब्रह्मम् - साकार ब्रह्मम्	
	अध्याय-2	पंचतत्व एवं रासायनिक संकल्पना	
	अध्याय-3	पंचतत्व मानव जीवन की संरचना एवं सामाजिकता	
इकाई-चतुर्थः	अध्याय-1	रसायनों द्वारा खाद्य संरक्षण	
	अध्याय-2	समाज में मानव उपयोगी तेल नम का रसायनिक विश्लेषण एवं उपादेयता	
	अध्याय-3	श्रीरामचरितमानस के प्रयुक्त प्रसंगों में तेल, नमक का विश्लेषण वर्णन	
	अध्याय-4	श्रीरामचरितमानस में वर्णित प्रसंगों में शक्कर का विश्लेषण	
	अध्याय-5	रामेश्वर सेतु में प्रयुक्त रसायन	
इकाई-पंचम	अध्याय-1	समाज में उपयोगी जीवन रक्षक औषधियाँ	
	अध्याय-2	मानस में प्रयुक्त प्रमुख औषधियाँ	
	अध्याय-3	मानस में प्रयुक्त अग्निरोधक रसायन	

Scanned by TapScanner

जीव विज्ञान से एकात्मभाव विकास एवं सामाजिक उन्नयन

पाठ्यक्रम

इकाई – प्रथम : अन्तः ब्रह्माण्ड (शारीरिकी), बाह्य मण्डल, आंतरिक संरचना और कार्यिकी, अंत:स्त्रावी ग्रंथियाँ। रामचरित मानस में प्रयुक्त जीव संरचना, समाज में जीव विज्ञान एवं समाज विज्ञान की उपयोगिता।

इकाई – द्वितीय : पौधे और जीव-जन्तु, वर्गीकरण, पौधे और जीव जन्तुओं का सामाजिक उपयोग। रामचरित मानस में प्रयुक्त प्रमुख पौधे एवं जीव जन्तु सामान्य परिचय। कार्बन जीवन एवं जौविकी का केन्द्र। (कार्बनिक विकासवाद)

इकाई – तृतीय : अनुवांशिकी, कृत्रिम गर्भाधान, वर्णशंकर। रामचरितमानस में प्रयुक्त गर्भाधान प्रसंग का वैज्ञानिक विश्लेषण एवं सामाजिक संकल्पना।

इकाई – चतुर्थ : जरा नियंत्रण, आयु नियंत्रण संकल्पना। रामचरितमानस में वर्णित ऋषियों की आयु परम्परा विश्लेषण एवं समाजोपयोगी कार्य। स्वस्थ जीवन के उपाय।

इकाई – पंचम : औषधीय विज्ञान, अर्थ, परिभाषा, प्रकार, जीवनरक्षक औषधियाँ, संजीवनी बूटी का उपयोग, कपि भालु, लक्ष्मण, अहिल्या उपचार का वर्णन एवं समाज में उपयोग।

प्रोजेक्ट कार्य : रामचरितमानस के किसी एक खण्ड में उल्लेखित प्रसंगों में वनस्पति शास्त्र, जन्तु शास्त्र एवं सामाजिकता संदर्भों का विवरण प्रस्तुति।

Scanned by TapScanner

विषय सूची

पृ

इकाई-प्रथमः	अध्याय-1	अन्तः ब्रह्माण्ड शारीरिकी
	अध्याय-2	बाह्य ब्रह्माण्ड आंतरिक संरचना
	अध्याय-3	अन्तरस्त्रावी ग्रंथियाँ
	अध्याय-4	रामचरितमानस में प्रयुक्त जीव संरचन
	अध्याय-5	समाज में जीव विज्ञान एवं समाज विज्ञान की उपयोगिता
इकाई-द्वितीय	अध्याय-1	पौधों का वर्गीकरण एवं सामाजिक उपयोग
	अध्याय-2	जन्तुओं का वर्गीकरण एवं सामाजिक उपयोग
	अध्याय-3	रामचरितमानस में प्रयुक्त पौधे एवं जन्तुओं का परिचय
	अध्याय-4	कार्बन जीवन व जैविकी का केन्द्र
इकाई-तृतीय	अध्याय-1	अनुवांशिकी
	अध्याय-2	कृत्रिम गर्भाधान एवं वर्ग संकर
	अध्याय-3	रामचरितमानस में प्रयुक्त गर्भाधान प्रसंग का वैज्ञानिक विश्लेषण एवं सामाजिक संकल्पना
इकाई-चतुर्थ	अध्याय-1	जरा नियंत्रण आयु नियंत्रण संकल्पना
	अध्याय-2	रामचरितमानस में वर्णित ऋषियों की आयु परम्परा विश्लेषण एवं समाजोपयोगी कार्य
	अध्याय-3	स्वस्थ जीवन के उपाय
इकाई-पंचम	अध्याय-1	औषधि विज्ञान
	अध्याय-2	जीवन रक्षक औषधियाँ
	अध्याय-3	संजीवनी बूटी
	अध्याय-4	कपि भालु उपचार, लक्ष्मण उपचार, अहिल्या उद्धार।

Scanned by TapScanner

रामचरितमानस में विज्ञान से सामाजिक उत्थान में डिप्लोमा

(5)

पर्यावरण विज्ञान से पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्थान

पाठ्यक्रम

इकाई – प्रथम : पर्यावरण, अर्थ, परिभाषा, व्याख्या एवं महत्व। पर्यावरणीय प्रतिकूलतायें। पर्यावरण जागरुकता, उद्देश्य आवश्यकता। रामचरितमानस में पर्यावरण की संकल्पना और सामाजिक जीवन।

इकाई – द्वितीय : मानस में जैव विविधता, अर्थ परिभाषा एवं अनुप्रयोग जैव विविधता, सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय महत्व।

इकाई – तृतीय : मानस में जैविक सूचक, अर्थ अवधारणा एवं महत्व जैविकीय सूचक के रूप में पादप, पौधे एवं जन्तु सूचक एवं उनका संरक्षण, जल, मृदा, वन एवं जैवविविधता।

इकाई – चतुर्थ : पर्यावरणीय प्रभाव और रामचरितमानस पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारक।

इकाई – पंचम : मानस में पर्यावरण सुरक्षा, जल प्रबंधन, जल संरक्षण, जल प्रबंधन का अर्थ, प्रकार एवं महत्व, मानस में जल प्रबंधन की संकल्पना मानस में जल प्रबंधन और सामाजिक जीवन। मानस में जल प्रदूषण और सामाजिक जीवन।

प्रोजेक्ट कार्य : (कुल अंक 25)

Scanned by TapScanner

विषय सूची

			पृष्ठ
इकाई-प्रथमः	अध्याय-1	पर्यावरण अर्थ, परिभाषा, व्याख्या एवं महत्व	
	अध्याय-2	पर्यावरणीय प्रतिकूलतायें	
	अध्याय-3	मानस में पर्यावरण जागरुकता संकल्पना	
	अध्याय-4	पर्यावरण और सामाजिक जीवन	
इकाई-द्वितीय	अध्याय-1	मानस में जैव विविधता	
	अध्याय-2	जैवविविधता सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय महत्व	
इकाई-तृतीय	अध्याय-1	मानस में जैविक सूचक	
	अध्याय-2	जैविक सूचक के रूप में पादप (पौधे एवं जल सूचक संरक्षण)	
	अध्याय-3	जल, मृदा, वन एवं जैव विविधता	
इकाई-चतुर्थ	अध्याय-1	पर्यावरणीय प्रभाव एवं रामचरितमानस	
	अध्याय-2	पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारक	
इकाई-पंचम	अध्याय-1	मानस में पर्यावरण सुरक्षा	
	अध्याय-2	जल प्रबंधन जल संरक्षण	
	अध्याय-3	मानस भें जल प्रबंधन की संकल्पना	
	अध्याय-4	मानस में जल प्रबंधन एवं सामाजिक जीवन	
	अध्याय-5	मानस में जल प्रदूषण एवं सामाजिक जीवन	

Scanned by TapScanner